

No 99

① गायत्री निर्णय

R. No
9804

सिमीगुर्वेनमः ॥ विमविमुदय

मीकमीपल्लु विदितलभयमेक
रंरुवःभुविडिउयभा पारुयंम
भाविहृभुयैवेम सुप्रउदना एउ
मकारभउंमएपहृउडिप्रविकं
महृयैवेमविमिपुवेमपुल्लनय
एउ विरुवःभुःरुविउचगे
कनेमेवभृणीमदिपियेयेनःभूमे
यउउ भुमेगपुममवुनिरुकि
गायतुंमवुयंभुमकेदमेवा
भुमेउल्लादतुंविभमसंशयउ
मुदरुभुमिउरुमभुल्लमेव

उमादियउम

जाहनीगवह

गसक्तिः

भौमितीति एवंविधं श्रीपद्मे
 सुगुह्यं भवभुवःसिद्धिविभु
 यद्भुवःसिद्धिः विदुःसुवि
 ति यद्भवसिद्धिः कश्चिद्विदुः
 भूमिद्वयैः श्रीपद्मे
 एवंविधं विदुः सत्त्वैः
 त्रभुवःसिद्धिः भवभुवः
 सुगुह्यं भवभुवःसिद्धिः
 सुगुह्यं भवभुवःसिद्धिः
 सुगुह्यं भवभुवःसिद्धिः
 सुगुह्यं भवभुवःसिद्धिः
 सुगुह्यं भवभुवःसिद्धिः
 सुगुह्यं भवभुवःसिद्धिः

ग
 वि

उनीहवभापयति उरुंभ
 के यतः कालवर्ज्यं विभुं मु
 मल्लयभा मदानुजलमकुल
 मल्लिमुनिमंरुडीः लहउउमु
 यत्र न पीष्टं उभाग्गय यतः मु
 इउउउमु मचयेयमरुतिभिदि
 मरुशरि यउदवा मिरुग्गवि
 कगलं विणविकुत न संभउउ
 म्रियुभगल मज्जुनः भुयभा
 म्रउदभीपमेयगीति यमै
 वैउउरिमीलयति उमुकुपविक
 मयं विमुं एगना एवम्रु
 एवम्रु उउउ उमुमुयाः भवकमु
 मु-रुउ उतिमिवभा ॥

ग
 ५

भौमिती त्वंविष्णु मीपामे
 सुगु ममभुष्टाहिरिकिविमुभ
 यदुभुपमिमति छेदुदुवःभुति
 ति यदुवमियंलैकश्यकल्पन
 प्रमिदुदुमैकः मीपामेसुग
 त्वकगीकरीदुः सतुवैदुहि
 त्रमुलैकश्यभुभुपुक्रमेनभु
 दामा उमेवदुभुभुनति मचं
 भुनभामचमिदं विदुतीतिमुः
 विमुदुतीलुभुपमिमति उदुवि
 दुतिदुमि उदुचमभानुभद
 मद्रुपुंयः मचनभद्रा

ग
 नि

रुनमवे

मसु एउअका गमु उका गेवा भवे वः अयि गमु भका गे
वेउ दुउमि चम मूकः विमु गीमान उउउ पमु वृका क मुउ

पुऊउ पुमिमु उउउ विधयमु
मुकेय मुके पमनेन पेणउ पुमि
मुंम मुपुऊ मनेन पमपुऊ मभया
मापुमु उवाउ मुंम पउयमुम
चएनेम मएण भिमु उउउ
मुउंम उउने विमु उनीतिमुउः
मचका गलेन प्रचपुऊ मुंम उउ
चएण कंऊनः मंविमु कंमं प्रल
मुउउ मुऊ वंम विमु उउ उउ
मुऊ वम कवा मुमु ममु निणीमदि
उउउयः उउय मुधि मविउ ऊनउ
उिम विमु ऊनये विउ उउवा गय

७ मउवठनमवेनरुविषमदुयुतः भविहभउलासिहः मवेउमुयः
 पुरुषउमुउ उषामरुमुपकेवहु उदभद मवेउहभेहृउमीपु
 यमरुमुउदगुपिकलापिउपमभयमपुत्रिः मपुगमिहि
 हृएउयउमुपमउमरुनः मउमुउ॥

५०० उडिविनामनभितिवउउवे
 क्रिउपुभाभा उरुनः मुठपप
 गमउंउः कउडिहभयतीभं
 लैकना गउडिगुयतीभः पूः
 गउडिगमुउभधिवगमुउभा
 ग उमरुनरुमुनउडिमूति
 ठिविरुंणीभदिपुयभेठव
 यमः भवेनपगभमभउडि
 यावडा एउरुमभुभवहापक
 भुपगिमिउत्रभुवभुठमविम
 ननमेवपुनभा रहुहापकवि
 रामिपगिमिउत्रपकुवकुम्कि

कमीपुविमुउकिंनपुहयः रुडिमीपुउभुकुमुउविहिन
 मउउरुउयंरुनः रुनः उडिमीपुउमुउरुभनप्रकमहि
 पदयः हृएमीपुविडिवरुएउउडिउनः हृमुभकउउव
 पयहुपहृमिभिरुनः भवेउमुमिवहुमिउउममभय
 पडिउडियावडी हृणीरुननेउहृभवरुनयहिविउउउ०

७ ५
 ७ कुरुभाउ उंमुव भितिरुनः मवेउरुवमुमभुवि
 वगेहृनेमीभदिउमियउमुंभाभाउमुववहु कंयमयेगुं
 कमुलि हृणनिसलैकेमुपुकये मवेयडिप्रवउयहयडि

ॐ प्रमदय उवउय म डिमंविउ त पा उवमंक प म म ए न व ड उ
 नि डि म धुः उ म र व मु भ वि उ यः भ वि उः यः भ वि उ ग म र क न नि
 ग न नि म धु क य म म य डि य ह पि य उ मं रु नं प नं रु न मे ध नं
 न भि उ धा पि उ सु व न य सु वः र सु वः उ धा म य सु लुः

य सु व न उ उ सु व र म वः म उ उ वः ॥ ७ डि ग य डि वि व ग म म ॥
 य सु व न उ उ सु व र म वः म उ उ वः ॥ ७ डि ग य डि वि व ग म म ॥

ल द न भा उ उं दि वि लु न के ग वे घुं
 य नि सु ल व डि डि ग क ग नि ग म
 य र उ घुं मी ग मृ भा प द भु दि
 क ल र ति सी व भि धु पि मे दं कि
 म उ म वे डि पि उं ए र म मृ उ घु र
 भु वि भु डिः म भु क्क भ डि गि णी य
 उ ति मु ल ए र दि कं उ प मु र भा
 इ वि ध य म म उ उ उ म वि उ भा उ
 मु भ क ल क ल य म भ ग उ उ
 उ उ उं वि लो के वे य डि डि उ क
 लं क पं के ग व उ र की डि उ भा उ म
 ग उ य म वि वि लु य भि म ए ल व ड

ग.
 वि

मायाभूषेपमंयैवगवृचनगम्
 भभाष्टनंशुवृत्तीरंक्रिया
 कमुगवृत्तीनाभा केवलंवलितंभं
 भंविकल्पनिदताभभा ॐति
 केवमैतमुपि श्रंयएत्किंण
 शुंकेभादिभृगाएवम सुहुनक
 गलंभृनभानरुद्राभमज्ञयेति
 गीताभृम सुनरुद्रैर्गंगक
 मकगलभृष्टे ॐति मीनजव
 उपि यावत्रएयैउपावगभि
 विसेसुगैरुद्रैरिहक्रियैगंगवकु
 वीयः पुरुषभृष्टेक्रियवभानभ

रुधः भ्रमरेडति कपिलम्वेपि
 पञ्चयामन्नयेडवमीमांभंभु
 कम्भुडा यावन्नवेमभुहमिभ
 चक्रउषवभ्रितमिति मीवमि
 ध्वेपि यावम्पुतिवदुभूमनाम्
 ह्ययभ्रितः इवसुडकुएक
 र मेवपुएपगेहवेति किंक्रुडंरु
 नेवगेहं एम्भंभागीरुकिद्यप
 ललभुक्तिरूपंमृयडयापपुडयाम
 वगलदेमहिलधलीयमिष्टः
 महिलधलीयमिव भनमिनि
 एयदठहृनायलः कगवक्रव

ग
 नि

५

३ सुतावचनसन्नेन यदुपभवेत्तुः भविष्ये भवता ला मि
मेवता भवतुः पदधरमुते शुभपदकमपु उदभादमयते
हमो ह एउमी पुते वम सुनमुते दगदीप कालागिरुपभा

कवकुं कवं कवपिं रुमिः ५ भु व म पु मि
नरुवठये मू म रुका क भै न री म भ पु ग मि हि
उ उति राह ए रु पू क म भ य रु ए उ य रु पु न
मि टा म हं मि षिल यं सु उ रु म उ म रु नः म
मिमति णिये येनः भु मि म्ये मि
ति यः प ल प नु भ य मं वि रु क
वे वि रु रु मै उ रु म उ रु मि रु नः
म भ कं व रु मि भु वा रु नं प म
रु लं णिये रा ह रु ग लि का
नि प मि म्ये उ पु य ति ए रु
रु पि उ रु रु रु ए उ वि ष य रु न म
क ल रु व भ य रु यि रु न म

उनीरुवभापयति उरुंभ
 के यतः कालवनेयंविभुंमु
 मल्लयभा मदानुगल्लु
 मल्लुमिभिमंडीः ललउउ
 यत्रनपपीडुंउभाउयतः
 उरुउउमवइयभउमिभि
 मरुइयउउवमिउमनि
 कालंविणिकउरुंभउ
 मियाभगभउउरुः भुयभा
 मरुदभीभुम्यगीति यम
 वैउरुमिलयतिउमुपविक
 भयंविभुंएगनाणीवभु
 लवउउउउउमुमुयाः भवक
 भुंरुउउमिवभा॥

गा